

LESSON-2 - स्मृति

- 2 -

1) भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था

जवाब) भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में पिटने का डर था। लेखक को लगा कि बड़े भाई को उसके कार्यों के बारे में मालुम पड गयी होगी। इस अपराध के लिए सजा देने के लिए बुला रे हैं। यही डर लेखक के मन में था।

2) मक्खन पुर पढ़ने जानेवाली बच्चों की टोली रास्ते में पडने वाले कुएँ में डेला क्यों फेंकती थे

जवाब) मक्खन पुर जाने के रास्ते में एक सूखा कुआँ था। उसमें एक काला साँप गिर गया। बच्चों की टोली साँप की पुसकार सुनने के लिए डेला फेंकते थे। इस तरह वे आनंदित होते थे।

3) 'साँप ने फुफकार मारी या नहीं, डेला उसे लगा या नहीं, यह बात अब तक स्मरण नहीं'-यह कथन लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है?

जवाब) लेखक अपने बड़े भाई द्वारा दी गई चिट्ठी टोपी के नीच रख लिया। कुएँ में भाई के द्वारा दी गई चिट्ठी गिर गई। इससे लेखक औरर उसके छोटे भाई भयभीत हो गए। लेखक ने कुएँ में डेला डाला। वह डेला साँप को लगा कि नहीं साँप जिंदा है या मर गया।

4) किन कारणों से लेखक ने चिट्ठियों को कुएँ से निकालने का निर्णय लिया?

जवाब) लेखक के भाई ने उसे दो चिट्ठियाँ दी और उन्हें डाकखाने में डालने को कहा। लेखक अपने बड़े भाई से डरते थे। जब चिट्ठियाँ कुएँ में गिर गई तब भाई से होने वाली पिटाई का डर बढ़ गया। इसलिए अपने डंडे के सहारे कुएँ के अंदर जाकर चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय किया।

5) साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने क्या-क्या युक्तियाँ अपनाईं?

जवाब) साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने पहले -

- * मिट्टी साँप की ओर फेंक दिया।
- * चिट्ठियाँ को लेने के लिए अपना हाथ को आगे बढ़ाया।
- * साँप उसकी ओर अचानक कूदा तो लेखक के हाथ की डंडा छूट गयी। इस तरह साँप का ध्यान टूट गया।

6) कुएँ में उतरकर चिट्ठियों को निकालने संबंधी साहसिक वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए।

जवाब) * लेखक के बड़े भाई दो चिट्ठियाँ देकर डाक खाने में डालने को कहा।

* रास्ते में एक कुएँ में डेला डालते समय टोपी में रहने वाली दो चिट्ठियाँ गिर गई। उन चिट्ठियों को निकालने के लिए डंडे की सहायता से कुएँ में उतरा। धेतियों से लंबी रस्सी बनायी। साँप फन फैलाए दिखाई दिया। साँप के ध्यान को बदलने के लिए मिट्टी उसपर फेंका। साँप उस पर झपटा। मौका पाकर चिट्ठी हाथ में

लेकर ऊपर आ गया। इस तरह लेखक अपने साहसिककार्य को स्मृति में दर्शाए हैं।

7) इस पाठ को पढ़ने के बाद किन-किन बाल-सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है?

जवाब) * बच्चे स्कूल जाते-आते समय शरारत करते हैं।
* पक्षियों और पशुओं पर ढेले डालते परेशान करते हैं।
* बगीचे में माली के देखे बिना फल तोड़ लेते हैं।
ये शरारत कार्य याद आ जाते हैं।

8) 'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी-कभी कितनी मिथ्या और उलटी निकलती हैं'-का आशय स्पष्ट कीजिए।

जवाब) कल्पना और वास्तविकता में अंतर होता है। मनुष्य अपनी बुद्धि से योजना बनाता है। पर कभी-कभी वह सफल नहीं हो पाती। असफल होने पर निराश हो जाता है। परंतु योजना बनाने के पहले जो कल्पना की जाती है। वह सक्षम मानी जाती है। लेखक अपने भाई द्वारा दी गई दो चिट्ठियाँ कुएँ में गिरने पर उसका कुएँ में साँप के डँसने से बचते हुए चिट्ठी निकालने की जो योजना बनाई वह पहले उल्टी होने पर भी अंत में सफल हो जाता है। अतः कल्पना योजना कभी-कभी या उल्टी निकलने पर भी प्रयत्न करने पर कभी सफल भी हो सकता है।

9) 'फल तो किसी दूसरी शक्ति पर निर्भर है'-पाठ के संदर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

जवाब) मेहनत करने के बाद आनेवाला फल उसके लगन, आत्मविश्वास, परिश्रम, दृढ़निश्चय पर निर्भर होता है। लेखक कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने के लिए साहसपूर्वक उतरा और दृढ़ विश्वास के साथ उनको वापस लाने में सफल हुए। इसी घटना पर लेखक हमें समझा रहे हैं कि मेहनत का फल दूसरी शक्ति पर निर्भर है।

M.V.V.N.BALARAMAMURTHY
S.A. (HINDI), ZPHS (Boys)
TANUKU, TANUKU MANDAL,
WEST GODAVARI DISTRICT